

वर्ग (अ) साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र — संस्कृत काव्य शास्त्र

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1 काव्यप्रकाश (मम्मट)— प्रथम एवं द्वितीय उल्लास

इकाई 2 काव्यप्रकाश (मम्मट)— तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम उल्लास

इकाई 3 काव्यप्रकाश (मम्मट)— षष्ठ, सप्तम (केवल रस दोष व रस दोष परिहार) तथा अष्टम उल्लास

इकाई 4 ध्वन्यालोक (आनन्दवर्धनाचार्य)— प्रथम उद्योत

इकाई 5 वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक)— प्रथम उन्मेष

विशेष निर्देश :-

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रथम इकाई काव्य प्रकाश (प्रथम व द्वितीय उल्लास) एवं चतुर्थ इकाई —ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) की कारिकाओं की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड स — प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार होगा।

द्वितीय इकाई — काव्य प्रकाश, 2 कारिकाओं में से एक की व्याख्या 7 अंक

तृतीय इकाई — 2 कारिकाओं में से एक की व्याख्या 7 अंक

पंचम इकाई — 2 कारिकाओं में से एक की व्याख्या 6 अंक

सहायक ग्रन्थ —

1. काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) — आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश (बालबोधिनी टीका) — वामनझलकीकर
3. काव्यप्रकाश — व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
4. ध्वन्यालोक (लोचन व बालप्रिया टीका सहित)— सम्पादक पं. पट्टाभिराम शास्त्री
5. ध्वन्यालोक (हिन्दी व्याख्या) — आचार्य विश्वेश्वर
6. ध्वन्यालोक (संस्कृत, हिन्दी अनुवाद व व्याख्या) — रामसागर त्रिपाठी
7. आनन्दवर्धन — डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी
8. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास — डॉ. पी.वी. काणे
9. संस्कृत पोइटिक्स — डॉ. एस. के. डे (संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास)
10. भारतीय साहित्यशास्त्र — आचार्य बलदेव उपाध्याय
11. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा — डॉ. जी.टी. देश पाण्डे
12. रसालोचनम् — डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा
13. रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा — प्रो. सुरजनदास स्वामी
14. रस सिद्धान्त — डॉ. नगेन्द्र
15. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) — श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय (सुधा संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्)
16. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूप रेखा — डॉ. भोलाशंकर व्यास

द्वितीय प्रश्नपत्र – नाटक एवं नाट्य शास्त्र

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

पाठ्यक्रम व इकाई योजना

- इकाई 1** उत्तररामचरितम् (भवभूति)
इकाई 2 मृच्छकटिकम् (शूद्रक)
इकाई 3 दशरूपकम् (धनंजय) – प्रथम व द्वितीय प्रकाश
इकाई 4 दशरूपकम् (धनंजय)– तृतीय व चतुर्थ प्रकाश
इकाई 5 नाट्यशास्त्र (भरत मुनि)– प्रथम व द्वितीय अध्याय

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत उत्तररामचरितम् एवं मृच्छकटिकम् में से श्लोको की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड स – प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार होगा—

उत्तररामचरितम् के 2 श्लोकों में से 1 श्लोक की व्याख्या	7 अंक
मृच्छकटिकम् के 2 श्लोकों में से 1 श्लोक की व्याख्या	7 अंक
दशरूपकम् की कारिका की व्याख्या	6 अंक

सहायक ग्रन्थ

1. उत्तररामचरितम् (हिन्दी व्याख्या) – रामनारायण बेनीमाधव
2. उत्तररामचरितम् – व्या. रमाकान्त त्रिपाठी
3. उत्तररामचरितम् (सटीक) महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
4. उत्तररामचरितम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
5. भवभूति और उनकी नाट्यकला – सुरेन्द्र दीक्षित
6. भवभूति और उनकी नाट्यकला – डॉ. आयोध्याप्रसाद सिंह
7. महाकवि भवभूति – गंगासागर राय
8. भवभूति – वी.वी. मीराशी
9. भवभूति – आर.डी. करमारकर
10. हिन्दी नाट्यशास्त्र – आचार्य विश्वेश्वर
11. भरत नाट्यशास्त्र – मनमोहन घोष (अंग्रेजी अनुवाद)
12. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
13. भरत नाट्य शास्त्र – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
14. दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
15. दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ. रामजी उपाध्याय
16. दशरूपक – संपादक रमाशंकर त्रिपाठी
17. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम द्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
18. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
19. संस्कृत नाट्यकोश – रामसागर त्रिपाठी
20. भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनयदर्पण – वाचस्पति गैरोला
21. नाट्य शास्त्रीय पारिभाषिक शब्दानुक्रमणिका – राम जी उपाध्याय
22. नाट्यशास्त्रीयानुसन्धानम् – रामजी उपाध्याय
23. Law and Practic of Sanskrit Drama by S.N. Shastri
24. The classical Drama of India - Henery W. Wells
25. Sanskrit theory of Drama and Dramatury ---- T.G. Mainkar
26. Sanksrit Drama - A.B. Keith
27. Indian theater - C.B. Gupta
28. Types of Sanskrit Drama - Mankada

तृतीय प्रश्न पत्र-वर्ग (अ)-साहित्य (1)काव्य गद्य, पद्य एवं चम्पू

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:- प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक - 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक - 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक - 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा-

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

- इकाई 1** कादम्बरी (बाणभट्ट)- महाश्वेता वृत्तांत
इकाई 2 नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)- प्रथम सर्ग
इकाई 3 शिशुपालवधम् (माघ)- प्रथम सर्ग
इकाई 4 शिशुपालवधम् (माघ)- द्वितीय सर्ग
इकाई 5 नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट)- प्रथम उच्छ्वास

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत नैषधीय चरितम् (प्रथम सर्ग) एवं शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग) में से श्लोकों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

शेष समस्त इकाईयों में से सूक्ति-व्याख्या, चरित्र-चित्रण और काव्यगत वैशिष्ट्य से प्रश्न पूछे जायेंगे।

खण्ड-'स' में प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार होगा।

- | | |
|--|-------|
| 1. इकाई प्रथम से 2 गद्यांशों में से एक गद्यांश की संप्रसंग व्याख्या। | अंक 8 |
| 2. इकाई चतुर्थ में से 2 श्लोकों में से एक श्लोक की संप्रसंग व्याख्या। | अंक 6 |
| 3. इकाई पंचम में से 2 श्लोकों में से एक श्लोक की संप्रसंग व्याख्या। | अंक 6 |

सहायक ग्रन्थ

- | | |
|---|----------------------------|
| 1. कादम्बरी | - डॉ कृष्णावतार वाजपेयी |
| 2. कादम्बरी | - साहित्य भण्डार मेरठ |
| 3. कादम्बरी | - डॉ. यशवन्त कुमार जोशी |
| 4. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन | - वासुदेवशरण अग्रवाल |
| 5. बाण और दण्डी - एक अध्ययन | - डॉ. सुधीर कुमार गुप्त |
| 6. बाण | - आर. डी. कर्माकर |
| 7. बाणभट्ट - ए लिटरेरी स्टडी | - डॉ नीता शर्मा |
| 8. नैषधीय चरितम् | - निर्णय सागर मुम्बई |
| 9. नैषधीयचरितम् (मल्लिनाथ कृत जीवातु व्याख्या युक्त) चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी | |
| 10. नैषधपरिशीलन | - पं. चण्डिका प्रसाद शुक्ल |
| 11. बृहत्त्रयी | - सुषमा कुलश्रेष्ठ |
| 12. शिशुपालवधम् (मल्लिनाथकृत सर्वाङ्कषा व्याख्या) मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली | |
| 13. शिशुपालवधम् - (बालबोधिनी व्याख्या सहित) व्या. श्रीराम जी लाल शर्मा | |
| 14. नलचम्पू त्रिविक्रमभट्टकृत - धारादत्तशास्त्री प्र.मोती लाल बनारसीदास, दिल्ली | |
| 15. चम्पू काव्यों का अध्ययन - छविनाथ मिश्र | |

अथवा (2) भास

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—
इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

इकाई 1 पंचरात्र एवं मध्यम व्यायोग

इकाई 2 बालचरितम् एवं अभिषेक नाटकम्

इकाई 3 प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्

इकाई 4 स्वप्नवासवदत्तम्

इकाई 5 चारुदत्तम् एवं अविमारकम्

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रतिज्ञा यौगन्धरायणम् एवं स्वप्नवासवदत्तम् में से श्लोकों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड—'स'

प्र. सं. 12

अंक विभाजन — प्रथम, द्वितीय एवं पंचम इकाई से दो-दो पद्यां में से एक एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 7+7+6 अंक) शेष प्रश्नों में सभी इकाईयों से सामान्य प्रश्न।

अथवा (3) कालिदास

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

इकाई 1 विक्रमोर्वशीयम्

इकाई 2 रघुवंशम् (प्रथम एवं त्रयोदश सर्ग)

इकाई 3 रघुवंशम् (दशम से एकोनविंश सर्ग)

इकाई 4 कुमारसंभवम् (प्रथम एवं पंचम सर्ग)

इकाई 5 ऋतुसंहार (ग्रीष्म, वर्षा एवं वसंतऋतु वर्णन)

विशेष निर्देश

खण्ड ब के अंतर्गत रघुवंशम् की दोनो इकाईयों में से श्लोको की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड स के अन्तर्गत प्रश्न संख्या 12 में अंक विभाजन इस प्रकार से होगा –

प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम इकाई से दो-दो पद्यों में से एक-एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या (क्रमशः 7+7+6)। शेष प्रश्नों में सभी इकाईयों में से सामान्य प्रश्न।

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य प्रथम प्रश्न पत्र – संहिता पाठ

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम

इकाई 1. ऋग्वेद – सप्तम मण्डल, सूक्त 1 से 10 तक

इकाई 2. अथर्ववेद – अधोलिखित सूक्त मात्र निर्धारित हैं—काण्ड सूक्त

1. 5,6,14
2. 28, 33
3. 12,16,17,30
4. 30
8. 9
9. 9 (1 से 14 मंत्र, अस्य, वामस्य)
11. 4 (प्राण) 5 (ब्रह्मचारी)
19. 52, 53

इकाई 3. वाजसनेयी संहिता – अध्याय 1,32 एवं 36

इकाई 4. शुक्ल यजुर्वेद

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद 31-1-22, 31-1-16, 34-1-6

सायण कृतः ऋग्वेदभाष्य भूमिका से ऋग्भाष्य भूमिका

इकाई 5. पाठ्यक्रम के निर्धारित सूक्तों की विषयवस्तु सम्बंधी समालोचनात्मक प्रश्न।

टिप्पणी : परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वेद के मंत्रों के विभिन्न भाष्य जिनमें सायण, कपालीशास्त्री, दयानन्द, तथा उव्वट के नाम विशेषतः उल्लेखनीय हैं, पढ़ेंगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

विशेष निर्देशः— खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम एवं इकाई द्वितीय के मन्त्रों की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक ग्रन्थ

1. वैदिक व्याकरण – डॉ रामगोपाल (दो भाग)
2. श्रीराम गोविन्द त्रिवेदी – वैदिक साहित्य,
3. मैकडोनेल – ए वैदिक ग्रामर फॉर स्टुडेंट्स (हिन्दी अनुवाद डॉ.सत्यव्रत)
4. युधिष्ठिर मीमांसक – वैदिक स्वर मीमांसा
5. दयानन्द – ऋग्वेद भाष्य भूमिका
6. गोविन्दलाल बंशीलाल व रुग्रमिश्र शास्त्री – वैदिक व्याकरण भास्कर
7. डॉ. मंगलदेव शास्त्री – भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा) भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, 620/21,
8. टी. कपाली शास्त्री – ऋग्भाष्य भूमिका

टिप्पणी : संस्तुत पुस्तकों से पाठ्यक्रम से सम्बद्ध अंश ही पढ़ने अपेक्षित हैं।

द्वितीय प्रश्न पत्र – ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय 3 घण्टे

100 अंक

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. ऐतरेय ब्राह्मण प्रथम पंजिका – प्रथम दो अध्याय

इकाई 2. शतपथ ब्राह्मण – माध्यन्दिन काव्य 1 अध्याय 1

इकाई 3. यास्क निरुक्त – 2, 7 एवं 10 अध्याय मात्र

इकाई 4. ऋगप्रातिशाख्य 1,2 और 3 मात्र

इकाई 5. छान्दोग्योपनिषद् – अध्याय प्रथम

कात्यायन श्रौतसूत्र – अध्याय प्रथम 1 – 2 कण्डिकायें

विशेष निर्देशः— खण्ड ब की इकाई तृतीय एवं पंचम में व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से की जायेगी।

सहायक पुस्तकें

1. डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा – एटिमालोजी ऑफ यास्क (अध्याय 1 से 2)
2. कीथ – रिलिजन एण्ड फिलोसफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 26 से 28 तक)
3. ऋग्वेद प्रातिशाख्य – डॉ वीरेन्द्र कुमार वर्मा
4. निरुक्त मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिक बुक हाउस, सी- के 31/10 नेपाली, खपड़ा पोस्ट बॉक्स 98, वाराणसी।
5. Dr. Fateh Singh & The Vedic Etymology

तृतीय प्रश्न पत्र— वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन एवं देवशास्त्र

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

विशेष निर्देशः— खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई तृतीय एवं चतुर्थ से संबंधित व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

इकाई 1. ऋग्वेद के दशम मण्डल का सामान्य अध्ययन

इकाई 2. वैदिक धर्म का तुलनात्मक विवेचन

इकाई 3. बृहद्देवता – प्रथम व द्वितीय अध्याय के 25 सर्ग

इकाई 4. वैदिक व्याकरण – वैदिक स्वराङ्कन, प्रमुख वैदिक छंद

इकाई 5 वैदिक संस्कृति

सहायक पुस्तकें

1. देशमुख – ओरिजन एण्ड डेवलपमेण्ट ऑफ रिलीजन इन वैदिक लिटरेचर
2. कीथ—रिलीजन एण्ड फिलॉसफी ऑफ वेद एण्ड उपनिषद्स (अध्याय 1 से 15)

3. मेक्डॉनल— वैदिक मइथोलोजी
4. गंगाप्रसाद — फाउण्टेन हैड ऑफ रिलीजन
5. वेदांगप्रकाश — (सोवर प्रकरण) वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
6. दयानन्द — सत्यार्थ प्रकाश (उल्लास 11 से 14 तक) वैदिक पुस्तकालय, अजमेर
7. मैक्समूलर — पुराणशास्त्र एवं जनकथाएँ इतिहास प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, आदर्श हिन्दी पुस्तकालय 4/9, अहिल्यापुर, इलाहाबाद।
8. मैक्समूलर — दी साइंस ऑफ लैंग्वेज

वर्ग (स) दर्शनशास्त्र प्रथम प्रश्न पत्र—न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

खण्ड अ

नोट:— नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1 न्यायसूत्र (वात्स्यायन) भाष्य सहित) प्रथम अध्याय

इकाई 2 प्रशस्तपादभाष्य (प्रारम्भ से बुद्धि निरूपण तक)

इकाई 3 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड)

इकाई 4 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (अनुमान खण्ड)

इकाई 5 न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (शब्द खण्ड)

विशेष निर्देश:— खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम एवं इकाई तृतीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से करनी होगी।

सहायक पुस्तकें

1. शास्त्री धर्मेन्द्रनाथ — (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड), मोतीलाल बनारसी दास।
2. शास्त्री दयाशंकर — (व्या.) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड) सुरभारती प्रकाशन बालाजी मार्केट, कानपुर।
3. झा, दुर्गाधर — (अनु.) प्रशस्तपादभाष्य (न्यायकन्दली सहित), सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि.वि. वाराणसी।
4. मिश्र, श्रीनारायण :वैशेषिक दर्शन — एक अध्ययन
5. ठक्कुर, अनन्तलाल — (स.) न्यायदर्शनम् :प्रथमाध्यायत्मक प्रथम भाग, मिथिला, विद्यापीठ दरभंगा, बिहार
6. मिश्र, सच्चिदानन्द — (व्या.) न्यायदर्शनम् भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
7. शास्त्री, श्रीनिवास —(व्या.) प्रशस्तपादभाष्य, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ—2

द्वितीय प्रश्न पत्र — सांख्य, योग, मीमांसा दर्शन

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. सांख्यकारिका (सांख्यतत्त्वकौमुदी सहित) 1-30 कारिका

इकाई 2 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) समाधिपाद पतंजलि

इकाई 3 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) साधनापाद

इकाई 4 योगसूत्र (व्यास भाष्य सहित) कैवल्यपाद

इकाई 5 जैमिनीसूत्र शाबरभाष्य (तर्कपाद)

विशेष निर्देश:- खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक पुस्तकें

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या) डॉ आद्याप्रसाद मिश्र
2. सांख्यातत्त्वकौमुदी – (व्या) डॉ रामशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. सांख्यतत्त्वकौमुदी – (व्या) गजानन शास्त्री मुसलगांवकर
4. योग सूत्र – चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन

तृतीय प्रश्न पत्र—वेदांत, मीमांसा एवं दर्शनशास्त्र का इतिहास (भारतीय एवं पाश्चात्य)

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:- प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. ब्रह्मसूत्र-चतुस्सूत्री (शांकर भाष्य सहित) – (प्रथम अध्याय प्रथम वाद)

इकाई 2 माण्डूक्यकारिका

इकाई 3 अर्थ संग्रह – (मंत्र, नामधेय, निषेध, भावना, अर्थवाद)

इकाई 4 दर्शनशास्त्र का विकास— (भारतीय एवं पाश्चात्य)

अवधेयम् – दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है –

1. षड्दर्शन का विकास, 2 सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तु द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र,
3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद 4. बर्कलेकृत जड़वाद की आलोचना, 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद, 6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत तथा 7. काण्ट का नीतिशास्त्र

इकाई 5 भारतीय दर्शन के निम्नांकित विषयों का सामान्य अध्ययन जीवन में दर्शन की उपयोगिता, आत्मा, मोक्ष, ईश्वर, शून्यवाद, सत्कार्यवाद, मायावाद, प्रतीत्यसमुत्पाद, सृष्टिप्रक्रिया, स्याद् वाद

विशेष निर्देश:- खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई द्वितीय व तृतीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक पुस्तकें :-

1. ब्रह्मसूत्र – चतुस्सूत्री – (व्या.) विश्वेश्वर सिद्धांतशिरोमणि
2. ब्रह्मसूत्र – चतुस्सूत्री – (व्या.) कामेश्वरनाथ मिश्र
3. माण्डूक्योपनिषद् (माण्डूक्यकारिका सहित) – गीता प्रेस गोरखपुर
4. Mandukhya Karika - English translation and notes by R.D. Karmarkar. Bhandarkar oriental Research Institute. Poona

5. अर्थसङ्ग्रह — (व्या.) डॉ. दयाशंकर शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ — 2
6. अर्थसङ्ग्रह — (व्या.) डॉ. कामेश्वरनाथ मिश्र
7. Arthasamgraha : English translation and notes by A.B. Gajendra Gadkar & R.D. Karmarkar. Motilal Banarsidas, Delhi
8. भामती — एक अध्ययन — डॉ. ईश्वर सिंह
9. मीमांसा दर्शन — डॉ. मण्डन मिश्र, रमेश बुक डिपो, जयपुर
10. Vedanta Explained (Volume-I)- V.H. Datt, Bookseller, publishing Co., Road, Mumbai
11. अद्वैत वैदान्त में आभासवाद — डॉ. सत्यदेव मिश्र, इन्दिरा प्रकाशन, पटना वर्ग

वर्ग — द — इतिहास पुराण

प्रथम प्रश्न पत्र — इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. इतिहास व पुराण का स्वरूप, रामायण और महाभारत का रचना काल, वस्तु तथा काव्यसौन्दर्य

इकाई 2 अष्टादश पुराणों का परिचय व पंचलक्षण

इकाई 3 इतिहास — पुराणों में आख्यान पुराकथा तथा ऐतिहासिक वृत्त

इकाई 4 पाठ्यग्रंथ — महाभारत नलोपाख्यान

इकाई 5 पाठ्यग्रंथ — कल्हणकृत राजतरङ्गिणी (सप्तम तरंग)

विशेष निर्देशः— खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

इतिहास पुराण—द्वितीय प्रश्न पत्र — इतिहास काव्य

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोटः— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

इकाई 1. वाल्मीकि रामायण — सुन्दरकाण्ड प्रथम 15 सर्ग

इकाई 2 वाल्मीकि रामायण — सुन्दरकाण्ड प्रथम 16 — 30 सर्ग

इकाई 3 महाभारत आदिपर्व अध्याय 1 — 20

इकाई 4 महाभारत आदिपर्व अध्याय 21 – 40

इकाई 5 शांति पर्व—राजधर्म प्रकरण अध्याय 50 – 70

विशेष निर्देश:— खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

इतिहास पुराण— तृतीय प्रश्न पत्र – पुराण साहित्य

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. श्रीमद्भागवत पंचम स्कन्ध अथवा दशम स्कन्ध उत्तरायण

इकाई 2 विष्णुपुराण प्रथम 10 अध्याय

इकाई 3 पद्मपुराण – स्वर्णखण्ड अथवा स्कंदपुराण – रेवाखण्ड

इकाई 4 मत्स्यपुराण – अध्याय 1 से 25 (कुरुवंश वर्णन तक)

इकाई 5 मत्स्यपुराण अध्याय 26 से 50 (कुरुवंश वर्णन तक)

विशेष निर्देश:— खण्ड ब के अन्तर्गत इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

वर्ग 'ई' व्याकरणशास्त्र – प्रथम प्रश्न पत्र—वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक – 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

इकाई 1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – (संज्ञा प्रकरण एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण)

इकाई 2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – (आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रकरण)

इकाई 3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – भ्वादिगण (पङ्क्त्यंश को छोड़कर)

इकाई 4. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –(अदादिगण, जुहोत्यादि, दिवादी एवं स्वादिगण) पङ्क्त्यंश को छोड़कर

इकाई 5 वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी —(तुदादि, रूधादि, तनादि, क्रयादि एवं चुरादिगण) पङ्क्त्यंश को छोड़कर
विशेष निर्देश:— खण्ड ब में इकाई प्रथम व द्वितीय से व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक पुस्तकें

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी—बालमनोरमा—हिन्दी व्याख्या सहित —गोपालदत्त पाण्डेय
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी — बालमनोरमा —तत्व बोधिनी टीकाद्वयोपेत
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी — लक्ष्मीटीका—सम्पति शर्मा

द्वितीय प्रश्न पत्र — प्रक्रिया एवं दर्शन

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

पाठ्यक्रम एवं इकाई योजना

- इकाई 1.** सिद्धान्त कौमुदी (अव्ययी भावसमास प्रकरण एवं तत्पुरुष समास प्रकरण)
इकाई 2. सिद्धान्त कौमुदी (बहुव्रीहिसमास प्रकरण से अलुक्समास प्रकरणान्त)
इकाई 3. सिद्धान्त कौमुदी (आत्मने पद एवं परस्मैपद)
इकाई 4. व्याकरण दर्शन के प्रमुख आचार्य
इकाई 5. महाभाष्य (द्वितीय आह्निक) प्रत्याहाराह्निक — प्रदीपउद्योत सहित

विशेष : 1. पत्र संस्कृत में बनाया जाएगा।

2. खण्ड ब में आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रक्रिया के प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में पूछे जाएंगे

सहायक पुस्तकें

1. महाभाष्यम् — प्रदीप उद्योतटीका
2. महाभाष्यम् — युधिष्ठिर मीमांसक
3. महाभाष्यम् — प्रदीपउद्योत — छाया टीका सहित — पायगुण्डे

तृतीय प्रश्न पत्र — व्याकरण दर्शन

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

- इकाई 1.** वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 1—43
इकाई 2. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 44—106 तक
इकाई 3. वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञटीका सहित कारिका 107—156
इकाई 4. वैयाकरणभूषणसार (धात्वर्थ निरूपण, लकारार्थ)
इकाई 5. वैयाकरणभूषणसार (स्फोटनिर्णय)

खण्ड ब के अन्तर्गत

विशेष: वाक्यपदीय; ब्रह्मकाण्ड 107 से 156 तक की कारिकाओं की व्याख्या संस्कृत में पूछी जाएगी।

पाठ्यग्रन्थ

1. वाक्यपदीयम् (भर्तृहरि)
2. वैयाकरण भूषणसार (कौण्डभट्ट)

सहायक पुस्तकें

1. वाक्यपदीयम् — शिवशंकर अवरथी
2. वाक्यपदीयम् — वामदेव आचार्य
3. वाक्यपदीयम् — पं. रघुनाथ शर्मा
4. भर्तृहरि का वाक्यपदीयम् — अनु. के.ए. सुब्रह्मण्य अय्यर
5. वैयाकरणभूषणसार — भैमीव्याख्या भीमसेन शास्त्री
6. वैयाकरणभूषणसार — ब्रह्मदत्त द्विवेदी
7. वैयाकरणभूषणसार — गोपाल शास्त्री नेने
8. वैयाकरणभूषणसार — पं. श्याम चरण त्रिपाठी
9. हंसराज अग्रवाल — प्रबन्धप्रदीप
10. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी — प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी
11. चारुदेव शास्त्री — शब्दापशब्द विवेक
(पठित व्याकरण पर आधारित व्युत्पत्ति के लिये सहायक ग्रन्थ)
12. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी — संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक, मन्दिर आगरा
13. डॉ. श्रीनिवास शास्त्री — एस.ए. संस्कृत व्याकरण, साहित्य भण्डार मेरठ
14. माधवाचार्य — माधवीय धातुवृत्ति
15. डॉ. नारायण शास्त्री कांकर, व्याकरण साहित्य प्रकाश, अजमेरा बुक कम्पनी
16. संस्कृत निबन्ध नवीनतम, डॉ. द्विवेदी एवं चतुर्वेदी, श्री राम मेहरा, आगरा
17. श्री मोहन वल्लभ पन्त, कारकदीपिका, रामनारायण लाल बेनीमाघ प्रयोग

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न पत्र — निबन्ध, व्याकरण एवं अनुवाद

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा।

- इकाई 1** लघु सिद्धान्त कौमुदी — पूर्व कृदन्त प्रकरणम्
इकाई 2 लघु सिद्धान्त कौमुदी — उत्तर कृदन्त प्रकरणम्
इकाई 3 लघु सिद्धान्त कौमुदी — समास प्रकरणम्
इकाई 4 लघु सिद्धान्त कौमुदी — तद्धित प्रकरणम् (चातुरार्थिक प्रत्यय पर्यन्त)
इकाई 5 लघु सिद्धान्त कौमुदी — स्त्री प्रत्यय

अंक विभाजन —

1. निबन्ध – 20 अंक—वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, धर्म शास्त्र तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य विषयों पर प्रत्येक में से दो विषयों का चयन करते हुए कुल दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा।
2. अनुवाद – 20 अंक
 - 1 दो अवतरणों में से एक का अनुवाद – अंक 10
 - 2 अपठित संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद – अंक 10
3. व्याकरण – लघुसिद्धान्त कौमुदी – अंक 60
 - 1 पूर्व कृदन्त प्रकरण – अंक 15
 - 2 उत्तर कृदन्त प्रकरण – अंक 10
 - 3 समास प्रकरण – अंक 15
 - 4 तद्धित प्रकरण – (चातुरार्थिक प्रत्यय पर्यन्त)— अंक 10
 - 5 स्त्री प्रत्यय – अंक 10

सहायक ग्रन्थ

- | | | |
|---------------------------------------|---|---------------------------------|
| 1. प्रबन्ध प्रकाश | — | डॉ मंगलदेव शास्त्री |
| 2. प्रबन्ध मंजरी | — | हृषीकेश भट्टाचार्य |
| 3. प्रबन्ध रत्नाकर | — | डॉ. रमेश चन्द्र शुक्ल |
| 4. संस्कृत निबन्ध पथ प्रदर्शक | — | वी.एस. आप्टे |
| 5. संस्कृत निबन्धशतकम् | — | डॉ कपिल देव द्विवेदी |
| 6. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी | — | डॉ कपिल देव द्विवेदी |
| 7. संस्कृत व्याकरण | — | डॉ श्री निवास शास्त्री |
| 8. संस्कृत व्याकरण | — | डॉ बाबूराम त्रिपाठी |
| 9. लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या | — | पं. भीमसेन शास्त्री ;3-6व्द भाग |
| 10. लघु सिद्धान्त कौमुदी | — | पं. धरानन्द शास्त्री |
| 11. वृहदनुवाद चन्द्रिका | — | चक्रधर नौटियाल हंस |
| 12. अनुवाद कला | — | चारुदेव शास्त्री |
| 13. लघुसिद्धान्त कौमुदी | — | महेश सिंह कुशवाह |
| 14. संस्कृत व्याकरण | — | डा. अर्कनाथ चौधरी |
| 15. लघुसिद्धान्त कौमुदी | — | डा. जगदीश प्रसाद कौण्डिन्य |

निम्नलिखित शोधपत्रिकायें पठनार्थ अनुमोदित हैं —

- | | | |
|---------------|---|---|
| संस्कृत मंजरी | — | दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली |
| सागरिका | — | संस्कृत विभाग, सागर वि.वि.सागर |
| दृक् | — | इलाहाबाद |
| स्वरमंगला | — | राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर |
| संभाषण संदेश | — | |
| भारती | — | भारती कार्यालय, न्यू कालोनी, जाजू अस्पताल के सामने जयपुर। |
| शोध प्रभा | — | लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली। |

(सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

पंचम प्रश्न पत्र

शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।
कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।
कुल अंक — 40

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

पाठ्यक्रम

इकाई 1 महाभाष्य — (पस्पशाहिनक)

इकाई 2 कौटिल्य का अर्थशास्त्र— (प्रथम अधिकरण)

इकाई 3 काव्यमीमांसा (राजशेखर)— प्रथम से पंचम अध्याय

इकाई 4 शिवराज विजयम् (अम्बिकादत्त व्यास)— प्रथम व द्वितीय निश्वास

इकाई 5 अभिलेखमाला से अभिलेख— (रुद्रदामन् का गिरनार अभिलेख, कुमारगुप्त का मन्दसौर (दिशपुर) शिलालेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति, स्कंदगुप्त का जूनागढ़ प्रस्तराभिलेख)

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अंतर्गत कौटिल्य अर्थशास्त्र एवं काव्य मीमांसा से सम्बन्धित व्याख्या। संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी।

खण्ड 'स' प्रश्न सं. 12

अंक विभाजन— प्रथम चतुर्थ एवं पंचम इकाई से गद्यांश अथवा पद्य की (2 में से एक) व्याख्या अथवा अनुवाद (क्रमशः 7+7+6 अंक) शेष प्रश्नों के इकाईयों से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न।

सहायक ग्रन्थ

- | | |
|--|-------------------------------------|
| 1. व्याकरण महाभाष्य (प्रथम आहिनकत्रय) — | अनु. चारुदेवशास्त्री |
| 2. व्याकरण महाभाष्य (पस्पशाहिनकम्) — | व्या. डॉ. जयशंकर लाल त्रिपाठी, |
| 3. पातञ्जल महाभाष्य एक दार्शनिक अध्ययन — | डा. नरेन्द्र देव आचार्य, |
| 4. काव्यमीमांसा राजशेखर — | व्या. डॉ. श्री कृष्णमणि त्रिपाठी |
| 5. काक मीमांसा — | डा. रमा कान्त पाण्डेय |
| 6. काव्य मीमांसा (हिन्दी व्याख्या) — | साधना पाराशर दिल्ली |
| 7. काव्यमीमांसारहस्यम् — | पं. विजयमित्र शास्त्री (1-5 अध्याय) |
| 8. अलंकार शास्त्र का इतिहास — | पी.वी. काणे |
| 9. भारतीय साहित्य शास्त्र — | बलदेव उपाध्याय |
| 10. अभिनव संस्कृत साहित्य का इतिहास — | डा. राधा बल्लभ त्रिपाठी |
| 11. भारतीय साहित्य शास्त्र — | जी.टी. देशपाण्डे |
| 12. कौटिल्य अर्थशास्त्र — | उदयवीर शास्त्री |
| 13. कौटिल्य अर्थशास्त्र — | वाचस्पति गौरोला |
| 14. कौटिल्य अर्थशास्त्र — | डॉ. रघुनाथ सिंह |
| 15. अभिलेख माला — | व्यास्याकार झा बन्धु, |
| 16. भारत के प्राचीन शिलालेख — | डॉ. वासुदेव उपाध्याय |
| 17. भारत के प्राचीन शिलालेख — | डॉ. पी.के. मजूमदार |

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य

समय 3 घंटे

पूर्णांक 100

नोट— प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जाएगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक — 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो।

कुल अंक — 50

खण्ड स

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से संबद्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक— 40 पाठ्यक्रम एवं

इकाई योजना

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा—

इकाई 1 मधुच्छन्दा— प्रो. हरिराम आचार्य कृत

इकाई 2 पद्मिनी—प. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयकृत

इकाई 3 भीष्मचरितम्— (1 – 5 सर्ग) प्रो. हरिनारायण दीक्षित

इकाई 4 आयति — काव्य संग्रह— राधा वल्लभ त्रिपाठी

इकाई 5 बीसवीं शताब्दी का संस्कृत साहित्य का सामान्य अध्ययन

(राजस्थान के विशेष संदर्भ में) भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, पं. नवल किशोर कांकर,

पं. गिरधर शर्मा नवरत्न, पं. पद्म शास्त्री, पं. श्रीराम दवे, गिरधारी लाल शर्मा, कवि किंकर, पं. गणेशराम शर्मा

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब' के अन्तर्गत मधुच्छन्दा की व्याख्याएं संस्कृत भाषा के माध्यम से एवं इकाई 3 भीष्म चरितम् की व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत करनी होगी तथा इकाई 5 से टिप्पणी पूरी जायेगी।

खण्ड 'स' प्रश्न सं. 12 में अंक विभाजन निम्न प्रकार से होगा।

इकाई 1, 2 और 4 में से दो-दो में से एक एक व्याख्या प्रसंग पूर्वक क्रमशः 5, 10 और 5 अंकों की होगी।

सहायक पुस्तकें

1. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् — खण्ड 1-5 सम्पादक — डॉ. गंगाधर भट्ट, राज. संस्कृत अकादमी जयपुर
2. जयपुर की संस्कृत परम्परा — देवर्षि कलानाथ शास्त्री
3. राजस्थानस्याधुनिक संस्कृत कथालेखकाः सं. पुष्कर दत्त शर्मा, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
4. नवोन्मेष — प्रो. रामचन्द्र द्विवेदी राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
5. राजस्थान के संस्कृत कृतिकार—पं. शंकरलाल शास्त्री
6. आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा— डॉ. केशव मूलगांवकर
7. पद्मिनी — पं. मोहनलाल शर्मा, पाण्डेय पाण्डेय प्रकाशन, जयपुर
8. मधुच्छन्दा — प्रो. हरिराम आचार्य, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
9. भीष्मचरितम् — हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
10. आयति — काव्य संग्रह— राधा वल्लभ त्रिपाठी
11. विद्वज्जनचरितामृतम् — कलानाथ शास्त्री
12. अभिनव संस्कृत साहित्य का इतिहास— देवर्षि कला नाथ भास्त्री

अथवा

लघु शोध प्रबन्ध

अर्हता — पूर्वाद्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित छात्र।

स्वरूप — 100 प्रश्नों से अधिक होगा तथा विभाग के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जाएगा।

विषयवस्तु — लघु शोध प्रबन्ध किसी प्रकाशित/अप्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद, कार्य, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक व तुलनात्मक समीक्षात्मक कार्य किया जा सकेगा।

नोट — लघु शोध प्रबन्ध को तीन प्रतियाँ में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व सम्बद्ध विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।